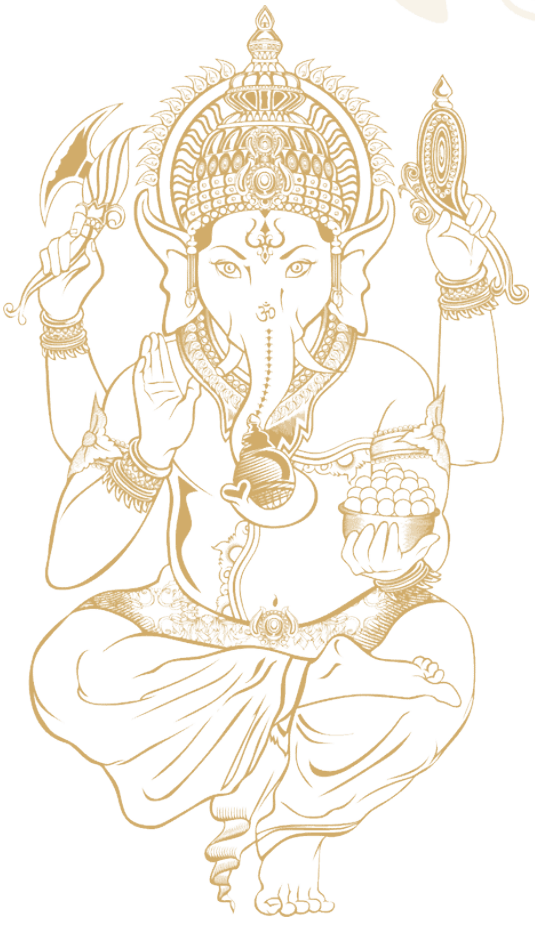

Prakhar mrt blg

aayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121726203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/02/1997	जन्म तिथि	21-22/01/1999
मंगल-बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 00:47:00	जन्म समय	04:50:00 घंटे
घटी 44:11:20	जन्म समय(घटी)	54:02:30 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Meerut
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:06:28	सूर्योदय	07:13:00
18:00:07	सूर्यास्त	17:48:03
23:49:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:29

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 4मा 27दि	21:13:40	तुला	लग्न	धनु	01:19:20	गुरु 2वर्ष 10मा 15दि
चन्द्र	22:12:29	मक	सूर्य	मक	07:37:51	बुध
05/07/2023	12:33:11	धनु	चंद्र	मीन	00:56:12	07/12/2020
04/07/2033	12:05:47	कन्या	मंगल	तुला	04:16:06	07/12/2037
चन्द्र 04/05/2024	29:57:43	धनु	बुध	धनु	28:59:19	बुध 06/05/2023
मंगल 03/12/2024	09:30:20	मक	गुरु	मीन	01:38:09	केतु 02/05/2024
राहु 04/06/2026	08:12:32	मक	शुक्र	मक	27:47:29	शुक्र 03/03/2027
गुरु 04/10/2027	10:08:44	मीन	शनि	मेष	03:25:34	सूर्य 07/01/2028
शनि 04/05/2029	05:47:25	कन्या व	राहु	कर्क	28:21:38	चन्द्र 07/06/2029
बुध 04/10/2030	05:47:25	मीन व	केतु	मक	28:21:38	मंगल 05/06/2030
केतु 05/05/2031	11:27:57	मक	हर्ष	मक	18:16:29	राहु 22/12/2032
शुक्र 03/01/2033	04:19:04	मक	नेप	मक	08:00:00	गुरु 30/03/2035
सूर्य 04/07/2033	11:29:34	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:55:48	शनि 07/12/2037

लग्न-चलित

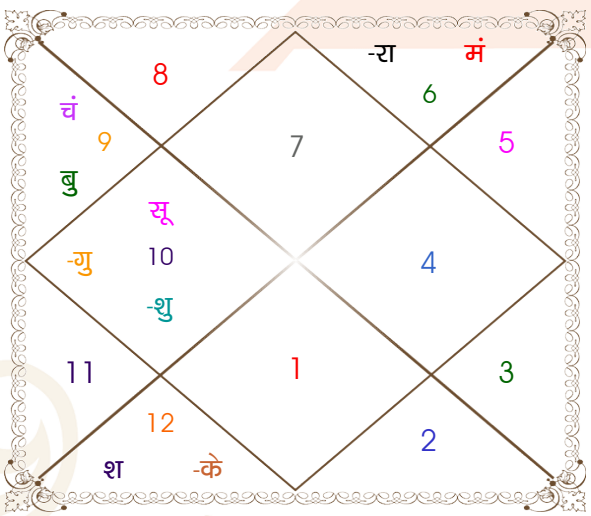

लग्न-चलित

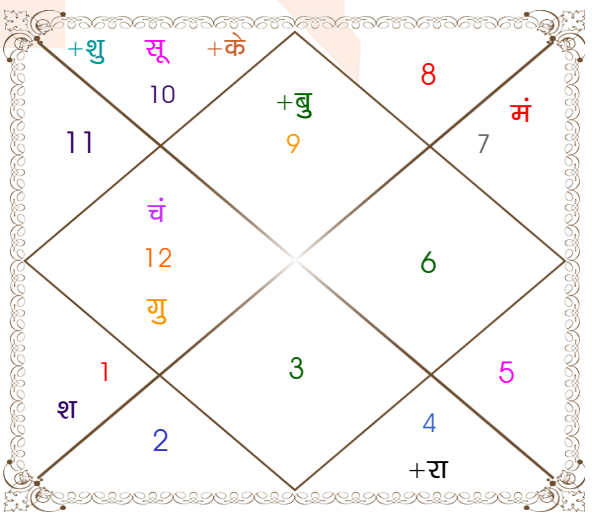

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Prakhar mrt blg का वर्ग मूषक है तथा aayushi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Prakhar mrt blg और aayushi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Prakhar mrt blg मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Prakhar mrt blg कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Prakhar mrt blg कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

aayushi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल aayushi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Prakhar mrt blg तथा aayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।